DATE 25.7.24
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

पुस्तक- नवतरंग-8

पाठ बोध :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो:-

प्रश्न- संक्षेप में:-

(क) हस्तलिखित मासिक पत्र किन-किन अवसरों पर निकाला जा सकता है?

उत्तर- हाथ से लिखा मासिक पत्र हर महीने निकाला जा सकता है। यदि ऐसा न हो सके, तो तीन महीने में एक सही। होली, दीवाली, रामनवमी-जन्माष्टमी 'वसंतांक' और 'विजयांक' निकालना भी अच्छा ढंग होगा। इस अवसरों पर निकाला जा सकता है।

प्रश्न-
(ख) मासिक पत्र के लेखों के विषयों की सूची बनाइए।

उत्तर- मासिक पत्र के लेखों के विषयों की सूची में आस-पास कोई नदी, पहाड़, झरना, जंगल, पुराना खंडहर या टीला, गढ़, मंदिर, तालाब, कारखाना, तीर्थ, दर्शनीय स्थान या दृश्य, मेला आदि हो तो उन सबके संबंध में जानने योग्य बातों का संग्रह करके लेख लिखें और लिखवाएँ। उस क्षेत्र के फूल, फल, वृक्ष, पशु, पक्षी, उपज, मिट्टी, पर्व-त्योहार, रस्म-रिवाज, बोली, खेल-तमाशे, जनसंख्या, घरेलू उद्योग-धंधे, बाजा, हथियार, खेतीबारी आदि लेख रहें तो एक मनोरंजक इतिहास तैयार हो सकता है। इनके अतिरिक्त अपने गाँव या मुहल्ले के किसी आदर्श पुरुष या स्त्री का परिचय, अपने आस-पास के बड़े-बूढ़ों का अनुभव, नामी पहलवानों और गानेवालों तथा कारीगरों के बारे में

Scanned with CamScanner

DATE 25.7.24
PAGE No 2

कुंजी

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

अपनी परीक्षा में आ सकने योग्य प्रश्नों के विषयों पर, घर में बड़ी-बूढ़ियों से सुनी कहानी, अपने गाँव और नगर तथा जिले की खबरें, शादी-ब्याह या जन्म-बधाई के गीतों का संग्रह, कोई विशेष बात, मुहावरा, कहावत, पहेली, किसी की सीख, पाठ्य-पुस्तकों में जो पंक्ति अच्छी लगने वाली, अपने छोटे भाई का नटखटपन आदि लेखों के विषय की सूची में शामिल किए जा सकते हैं।

(ग) प्र०- भविष्य में हस्तलिखित मासिक पत्रों का महत्व कैसे बढ़ जाएगा?

उत्तर- भविष्य में मासिक पत्रों का बहुत महत्व होगा। ये हस्तलिखित मासिक पत्र कला की दृष्टि से बहुत सम्मान की दृष्टि से देखे जाएँगे। उसकी खोज और प्रदर्शनी होगी। संभव है कि कभी ऐसे पत्रों का इतिहास भी लिखा जाएगा।

विस्तार से:-

(क) प्र०- हस्तलिखित पत्र निकालने में किन-किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर- सब अंकों को जहाँ तक हो सके, शुद्ध और सरल भाषा में लिखने की कोशिश करें। हस्तलिखित पत्र निकालने में सब अंकों का कागज़ एक ही आकार का होना चाहिए। हर अंक में कागज़ का रंग बदल सकता है, मगर आकार नहीं। एक ही अंक के लेखों की रोशनाई बदल सकती है, मगर कागज़ का आकार नहीं। तभी सुंदरता कायम रहेगी।

(ग) प्र०- हस्तलिखित मासिक पत्र की सजावट कैसे की जा सकती है?

Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

उत्तर (ग) हस्तलिखित मासिक पत्र को सजावट के लिए मंडली में सब लोग अपना-अपना चुना हुआ सामान आगे रखें। सुडौल अक्षर लिखने वाले दिखावें कि किसने क्या लिखा है। पढ़वाकर सब लोग सुन लें। जो सबको अच्छा लगे, वह सबसे पहले नंबर पर देकर सूची बनाते जाएँ। यदि आठ-दस चीज़ें चुनी गईं, तो उन्हें अब सजाना शुरू करें। सजावट का सामान तैयार रहे। जहाँ जैसा वर्णन हो वहाँ वैसा चित्र लगाएँ। कलम-कूँची से लेखों के चारों ओर लहरदार किनारी, बेल-बूटे बनाए जा सकते हैं। सजावट के बाद जिल्द पर, पन्नों के बीच में कटे तराशे चित्र चिपकाए जा सकते हैं। कला की दृष्टि से ऐसे पत्र का बड़ा महत्व समझा जाएगा। उसकी खोज और प्रदर्शनी होगी। संभव है कि ऐसे पत्रों का कभी इतिहास भी लिखा जाएगा।

प्र०-(ख) घर-पड़ोस के बड़े-बुज़ुर्ग हस्तलिखित मासिक पत्र निकालने में क्या-क्या सहायता कर सकते हैं?

उत्तर- घर-पड़ोस के बड़े-बुज़ुर्ग हस्तलिखित मासिक पत्र निकालने में उत्साही बालकों को अखबारों में छपने-वाली दिलचस्प बातें बताकर, घरेलू नुस्खे, देश और समाज की दशा के बारे में, रामायण-महाभारत संबंधी कहानियाँ सुनाकर अथवा अपना अनुभव बताकर बालकों की सहायता कर उन्हें प्रोत्साहित करके उनके लिए मार्ग-दर्शक बन सकते हैं। जो अनुभव बड़े-बुज़ुर्गों को विरासत में मिला है, उसका लाभ आज के बच्चे इन पत्रिकाओं को लिखने में उठा सकते हैं।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner